भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3769
दिनांक 25 मार्च, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

घरेलू चिकित्सा उपकरणों को बढ़ावा देने

3769. श्री एन. रेड्डप्प:
डॉ. संजीव कुमार शिंगरी:
श्री कुरुवा गोरांतला माधव:
श्री अदला प्रभाकर रेड्डी:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा चिकित्सा उपकरणों के आयात पर निर्भरता कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ख) चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर
रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री (श्री भगवंत खुबा)

(क) और (ख): औषध विभाग ने 3,420 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ 'चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना' शुरू की है। योजना के तहत कुल 21 आवेदकों को 1058.97 करोड़ रुपये के प्रतिबद्ध निवेश के साथ मंजूरी दी गई है।

इसके अतिरिक्त, विभाग ने चार राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थापित किए जाने वाले चिकित्सा उपकरण पार्कों में साझा बुनियादी सुविधाओं की स्थापना के लिए 400 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ 'चिकित्सा उपकरण पार्कों के संवर्धन' के लिए एक और योजना शुरू की है। योजना के तहत उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश राज्यों के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है।

*****